हिंदी लोकभारती

BOARD QUESTION PAPER: DECEMBER 2020

समय : ३ घंटे **कुल अंक : ८०**

सूचनाएँ:

(१) सूचनाओं के अनुसार गद्य, पद्य, पूरक पठन तथा भाषा अध्ययन (व्याकरण) की आकलन कृतियों में आवश्यकता के अनुसार आकृतियों में ही उत्तर लिखना अपेक्षित है।

(२) सभी आकृतियों के लिए पेन का ही प्रयोग करें।

(३) रचना विभाग में पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखने के लिए आकृतियों की आवश्यकता नहीं है।

(४). शुद्ध, स्पष्ट एवं सुवाच्य लेखन अपेक्षित है।

विभाग 1 – गद्य: 20 अंक

प्र.1. (अ) निम्नलिखित पठित गद्यांश पढ़कर दी गई सूचनाओं के अनुसार कृतियाँ कीजिए: [8]

दोपहर बाद जब करामत अली ड्यूटी से लौटा और नहा-धोकर कुछ नाश्ते के लिए बैठा तो रमजानी उससे बोली– "मेरी मानो तो इसे बेच दो।"

"फिर बेचने की बात करती हो.......? कौन खरीदेगा इस बुढ़िया को।"

"रहमान कुछ कह तो रहा था, उसे कुछ लोग खरीद लेंगे। उसने किसी से कहा भी है। शाम को वह तुमसे मिलने भी आएगा।"

करामत अली सुनकर खामोश रह गया। उसे लग रहा था, सब कुछ उसकी इच्छा के विरुद्ध जा रहा है, शायद जिस पर उसका कोई वश नहीं था।

करामत अली यह अनुभव करते हुए कि लक्ष्मी की चिंता अब किसी को नहीं है, खामोश रहा। उठा और घर में जो सूखा चारा पड़ा था, उसके सामने डाल दिया।

लक्ष्मी ने चारे को सूँघा और फिर उसकी तरफ निराशापूर्ण आँखों से देखने लगी। जैसे कहना चाहती हो, मालिक यह क्या? आज क्या मेरे फाँकने को यह सूखा चारा ही है। दर्रा-खली कुछ नहीं।

करामत अली उसके पास से उठकर मुँह-हाथ धोने के लिए गली के नुक्कड़ पर नल की ओर चला गया।

1. **संजाल पूर्ण कीजिए:** [2]

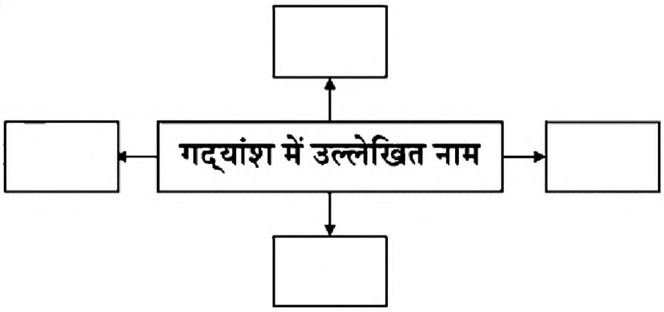

2. **प्रतिक्रियाएँ लिखिए:** [2]

   i. लोगों द्वारा लक्ष्मी को खरीदने की बात सुनने पर करामत अली की – ....

   ii. करामत अली द्वारा लक्ष्मी को सूखा चारा देने पर लक्ष्मी की – ....

3. **निम्नलिखित शब्द के दो अलग-अलग अर्थ लिखकर उनका अर्थपूर्ण वाक्य में प्रयोग कीजिए:** [2]

	शब्द	अर्थ	वाक्य
(i)	चारा	....	....
(ii)	चारा	....	....

4. **'जानवर भी संवेदनशील होते हैं' विषय पर 25 से 30 शब्दों में अपने विचार लिखिए।** [2]

प्र.1. (आ) निम्नलिखित पठित गद्यांश पढ़कर दी गई सूचनाओं के अनुसार कृतियाँ कीजिए: [8]

आश्रम किसी एक धर्म से चिपका नहीं होगा। सभी धर्म आश्रम को मान्य होंगे, अत: सामान्य सदाचार, भक्ति तथा सेवा का ही वातावरण रहेगा। आश्रम में स्वावलंबन हो सके उतना ही रखना चाहिए। सादगी का आग्रह होना चाहिए। आरम्भ में पढ़ाई या उद्योग की व्यवस्था भले न हो सके लेकिन आगे चलकर उपयोगी उद्योग सिखाए जाएँ। पढ़ाई भी आसान हो। आश्रम शिक्षासंस्था नहीं होगी लेकिन कलह और कुढ़न से मुक्त स्वतंत्र वातावरण जहाँ हो ऐसा मानवतापूर्ण आश्रयस्थान होगा, जहाँ परेशान महिलाएँ बेखटके अपने खर्च से रह सकें और अपने जीवन का सदुपयोग पवित्र सेवा में कर सकें। ऐसा आसान आदर्श रखा हो और व्यवस्था पर समिति का झंझट न हो तो बहन सुंदर तरीके से चला सके ऐसा एक बड़ा काम होगा। उनके ऊपर ऐसा बोझ नहीं आएगा जिससे कि उन्हें परेशानी हो।

संस्था चलाने का भार तो आने वाली बहनें ही उठा सकेंगी क्योंकि उनमें कई तो कुशल होंगी। बहन उनको संगीत की, भक्ति की तथा प्रेमयुक्त सलाह की खुराक दें।

1. **कारण लिखिए:** [2]
   - i. आश्रम में भक्ति तथा सेवा का वातावरण रहेगा..........
   - ii. संस्था चलाने का भार आने वाली बहनें उठा सकेंगी..........

2. **उत्तर लिखिए:** [2]

   परेशान महिलाओं को आश्रम से मिलने वाली सुविधाएँ
   - i. ....
   - ii. ....

3. **निम्नलिखित शब्दों का तालिका में दी गई सूचना के अनुसार वर्गीकरण कीजिए:** [2]

   सादगी, पढ़ाई, परेशानी, उपयोगी

   तालिका

कृदंत शब्द	तद्धित शब्द
....	....
	....
	....

4. **वर्तमान समाज में आश्रमों की बढ़ती हुई संख्या के बारे में 25 से 30 शब्दों में अपने विचार लिखिए।** [2]

प्र.1. (इ) निम्नलिखित अपठित गद्यांश पढ़कर दी गई सूचनाओं के अनुसार कृतियाँ कीजिए: [4]

सन् 1897 में भारत में महामारी का प्रकोप हुआ। स्वामी विवेकानंद ने देश सेवा-व्रती संन्यासियों की एक छोटी-सी मंडली बनाई। यह मंडली तन-मन से दीन-दुखियों की सेवा करने लगी। ढाका, कोलकाता, चेन्नई आदि में सेवाश्रम खोले गए। वेदांत के प्रचार के लिए जगह-जगह विद्यालय स्थापित किए गए। कई अनाथालय भी खोल दिए गए।

ये सभी कार्य स्वामी जी के निरीक्षण में हो रहे थे। उनका स्वास्थ्य काफी बिगड़ गया था, फिर भी वह स्वयं घर-घर घूमकर पीड़ितों को आश्वासन तथा आवश्यक सहायता देते रहते थे। जिन मरीजों को देखर डॉक्टर भी भाग जाते थे, उनकी सहायता करने में स्वामी जी और उनके अनुयायी कभी पीछे नहीं हटे।

1. **तालिका पूर्ण कीजिए:** [2]

गद्यांश में वर्णित स्वामी विवेकानंद के कार्य
....
....
....
....

2. **'सेवाभाव का महत्त्व' विषय पर 25 से 30 शब्दों में अपने विचार लिखिए।** [2]

विभाग 2 – पद्य: 12 अंक

प्र.2. (अ) निम्नलिखित पठित पद्यांश पढ़कर दी गई सूचनाओं के अनुसार कृतियाँ कीजिए: **[6]**

हरि बिन कूण गती मेरी।।
तुम मेरे प्रतिपाल कहिये मैं रावरी चेरी।।

आदि-अंत निज नाँव तेरो हीमायें फेरी।
बेर-बेर पुकार कहूँ प्रभु आरति है तेरी।।
यौ संसार बिकार सागर बीच में घेरी।
नाव फाटी प्रभु पाल बाँधो बूड़त है बेरी।।
बिरहणि पिवकी बाट जौवै राखल्यो नेरी।
दासी मीरा राम रटत है मैं सरण हूँ तेरी।।

1. **निम्नलिखित विधान सही हैं अथवा गलत हैं, लिखिए:** **[2]**
   i. मीराबाई के प्रभु उसके पालनहार हैं। – ☐
   ii. मीराबाई अपने आप को प्रभु की दासी नहीं कहती। – ☐
   iii. संसार रूपी सागर विकारों से भरा है। – ☐
   iv. संत मीराबाई अपने प्रभु की राह देख रही है। – ☐

2. **पद्यांश से ढूँढ़कर लिखिए:** **[2]**

विलोम शब्द जोड़ी	समानार्थी शब्द जोड़ी
.... ×..........	.........=.........

3. **उपर्युक्त पद्यांश की प्रथम चार पंक्तियों का सरल अर्थ 25 से 30 शब्दों में लिखिए।** **[2]**

प्र.2.(आ) निम्नलिखित पठित पद्यांश पढ़कर दी गई सूचनाओं के अनुसार कृतियाँ कीजिए: **[6]**

चाहे सभी सुमन बिक जाएँ चाहे ये उपवन बिक जाएँ
चाहे सौ फागुन बिक जाएँ पर मैं गंध नहीं बेचूँगा
अपनी गंध नहीं बेचूँगा।।
जिस डाली ने गोद खिलाया जिस कोंपल ने दी अरुणाई
लछमन जैसी चौकी देकर जिन काँटों ने जान बचाई
इनको पहिला हक आता है चाहे मुझको नोचें-तोड़ें
चाहे जिस मालिन से मेरी पँखुरियों के रिश्ते जोड़ें
ओ मुझ पर मँड़राने वालो मेरा मोल लगाने वालों
जो मेरा संस्कार बन गई वो सौगंध नहीं बेचूँगा।
अपनी गंध नहीं बेचूँगा।।

1. **एक/दो शब्दों में उत्तर लिखिए:** **[2]**
   i. अपनी गंध न बेचने वाला –
   ii. फूल को अरुणाई देने वाली –

iii. फूल को गोद में खिलाने वाली –

iv. चौकी देकर फूल की जान बचाने वाले –

2. i. **निम्नलिखित शब्दों के लिंग पहचानकर लिखिए:** [1]

शब्द	लिंग
सौंगध	....
फागुन	....

ii. **निम्नलिखित शब्दों के वचन बदलकर लिखिए:** [1]

पंखुरियाँ	....
	रिश्ता

3. **उपर्युक्त पद्यांश की क्रमशः किन्हीं चार पंक्तियों का सरल अर्थ 25 से 30 शब्दों में लिखिए।** [2]

विभाग 3 – पूरक पठन: 8 अंक

3. (अ) **निम्नलिखित पठित गद्यांश पढ़कर दी गई सूचनाओं के अनुसार कृतियाँ कीजिए:** [4]

सिरचन जाति का कारीगर है। मैंने घंटों बैठकर उसके काम करने के ढंग को देखा है। एक-एक मोथी और पटेर को हाथ में लेकर बड़े जतन से उसकी कुच्ची बनाता। फिर कुच्चियों को रँगने से लेकर सुतली सुलझाने में पूरा दिन समाप्त। .... काम करते समय उसकी तन्मयता में जरा भी बाधा पड़ी कि गेहुँअन साँप की तरह फुफकार उठता- "फिर किसी दूसरे से करवा लीजिए काम! सिरचन मुँहजोर है, कामचोर नहीं।"

बिना मजदूरी के पेट भर भात पर काम करने वाला कारीगर। दूध में कोई मिठाई न मिले तो कोई बात नहीं किंतु बात में जरा भी झाला वह नहीं बरदाश्त कर सकता।

सिरचन को लोग चटोर भी समझते हैं। तली बघारी हुई तरकारी, दही की कढ़ी, मलाईवाला दूध, इन सबका प्रबंध पहले कर लो, तब सिरचन को बुलाओ।

1. **उत्तर लिखिए:** [2]

i.

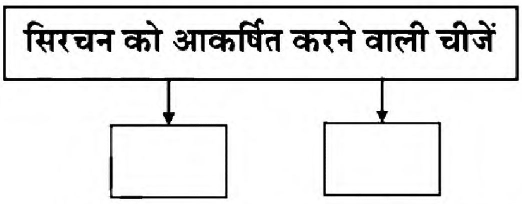

ii.

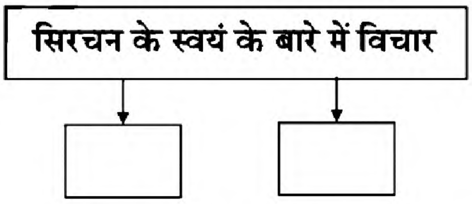

2. **'कार्य में तन्मयता लाती है सफलता' विषय पर 25 से 30 शब्दों में अपने विचार लिखिए।** [2]

3. (आ) **निम्नलिखित पठित पद्यांश पढ़कर दी गई सूचनाओं के अनुसार कृतियाँ कीजिए:** [4]

यह वह मिट्टी, जिस मिट्टी में खेले थे यहाँ ध्रुव-से बच्चे।
यह मिट्टी, हुए प्रहलाद जहाँ, जो अपनी लगन के थे सच्चे।
शेरों के जबड़े खुलवाकर, थे जहाँ भरत दतुली गिनते,
जयमल-पत्ता अपने आगे, थे नहीं किसी को कुछ गिनते!
इस कारण हम तुमसे बढ़कर, हम सबके आगे चुप रहिए।
अजी चुप रहिए, हाँ चुप रहिए। हम उस धरती के लड़के हैं...
बातों का जनाब, शऊर नहीं, शेखी न बघारें, हाँ चुप रहिए।
हम उस धरती की लड़की हैं, जिस धरती की बातें क्या कहिए।

1. **उपर्युक्त पद्यांश से वीरत्व दर्शाने वाली दो पंक्तियाँ ढूँढ़कर लिखिए:** [2]

....

....

2. **'शेखी बघारना बुरी आदत है' विषय पर 25 से 30 शब्दों में अपने विचार लिखिए।** [2]

विभाग 4 – भाषा अध्ययन (व्याकरण): 14 अंक

4. **सूचनाओं के अनुसार कृतियाँ कीजिए:** [14]

(1) **निम्नलिखित वाक्य में से अधोरेखांकित शब्द का शब्दभेद पहचानकर लिखिए:** [1]

उन्होंने <u>टूटी</u> अलमारी खोली।

(2) **निम्नलिखित अव्ययों में से किसी एक अव्यय का अर्थपूर्ण वाक्य में प्रयोग कीजिए:** [1]

i. प्राय: ii. अरे!

(3) **कृति पूर्ण कीजिए:** [1]

संधि शब्द	संधि-विच्छेद	संधि भेद
निस्संदेह	+	....
	अथवा	
	भानु + उदय	....

(4) **निम्नलिखित वाक्यों में से किसी एक वाक्य की सहायक क्रिया पहचानकर उसका मूल रूप लिखिए:** [1]

i. मैं गोवा को पूरी तरह नहीं समझ पाया।

ii. काकी घटनास्थल पर आ पहुँची।

सहायक क्रिया	मूल क्रिया
....	....
....	....

(5) **निम्नलिखित में से किसी एक क्रिया का प्रथम तथा द्‌वितीय प्रेरणार्थक रूप लिखिए:** [1]

क्रिया	प्रथम प्रेरणार्थक रूप	द्‌वितीय प्रेरणार्थक रूप
फैलना	....	....
भूलना	....	....

(6) **निम्नलिखित मुहावरों में से किसी एक मुहावरे का अर्थ लिखकर उचित वाक्य में प्रयोग कीजिए:** [1]

मुहावरा

i. ठेस लगना – ii. कलेजे में हूक उठना –

अर्थ	वाक्य
....	....

अथवा

अधोरेखांकित वाक्यांश के लिए कोष्ठक में दिए मुहावरो में से उचित मुहावरे का चयन करके वाक्य फिर से लिखिए:

(बोलबाला होना, प्रशंसा करना)

आजकल मोबाइल का <u>प्रभाव है</u>।

(7) **निम्नलिखित वाक्यों में से किसी एक वाक्य में प्रयुक्त कारक पहचानकर उसका भेद लिखिए:** [1]

i. हमारे शहर में एक कवि है।

ii. उन्हें पुस्तक ले आने के लिए कहा।

कारक चिह्न	कारक भेद
....	....

(8) **निम्नलिखित वाक्य में यथास्थान उचित विराम-चिह्नों का प्रयोग करके वाक्य फिर से लिखिए:** [1]

मैने कहराते हुए पूछा, मैं कहाँ हूँ

(9) **निम्नलिखित वाक्यों में से किन्हीं दो वाक्यों का सूचना के अनुसार काल परिवर्तन कीजिए:** [2]

i. हमारे शहर में तो दो रुपये में मिलता है। (अपूर्ण वर्तमानकाल)

ii. मुझे जीवन को सहज और खुले ढंग से जीना है। (पूर्ण भूतकाल)

iii. मानू को ससुराल पहुँचाने मैं ही जाता हूँ। (सामान्य भविष्यकाल)

10. i. **निम्नलिखित वाक्य का रचना के आधार पर भेद पहचानकर लिखिए:** [1]

हमारी सामाजिक विचारधारा में एक बड़ा भारी दोष है।

ii. **निम्नलिखित वाक्यों में से किसी एक वाक्य का अर्थ के आधार पर दी गई सूचनानुसार परिवर्तन कीजिए:** [1]

(1) कितनी निर्दयी हूँ मैं। (विस्मयार्थक वाक्य)

(2) सैकड़ों मनुष्यों ने भोजन किया। (प्रश्नार्थक वाक्य)

11. **निम्नलिखित वाक्यों में से किन्हीं दो वाक्यों की शुद्ध करके वाक्य फिर से लिखिए:** [2]

i. रंगीन फूल की माला बहोत सुंदर लग रही थी।

ii. लड़के के तरफ मुखातिब होकर रामस्वरूप ने कोई कहना चाहा।

iii. कन्हैयालाल मिश्र जी बिड़ला के पुस्तक पड़ने लगे।

विभाग 5 – रचना विभाग (उपयोजित लेखन): 26 अंक

सूचना:– आवश्यकतानुसार परिच्छेद में लेखन अपेक्षित है।

5. **सूचनाओं के अनुसार लेखन कीजिए:** 26

(1) **पत्रलेखन:** [5]

निम्नलिखित जानकारी के आधार पर पत्रलेखन कीजिए:

राज/राजश्री अगरवाल, 20, वरद सोसायटी, सायन, पूर्व, मुंबई से अपने दादा जी रमेश अगरवाल, राधा निवास, आदर्श कॉलोनी, संगमनेर को 75 वें जन्मदिन पर बधाई देते हुए पत्र लिखता/लिखती है।

अथवा

मयुरा/मयुर त्रिवेदी, 12, मॉडेल कॉलोनी, शास्त्री नगर, नारायण गाँव से व्यवस्थापक विजय पुस्तकालय, म. गांधी पंथ, राजगुरु नगर को सूचीनुसार पुस्तकें प्राप्त न होने की शिकायत करते हुए पत्र लिखती/लिखता है।

(2) **गद्य आकलन-प्रश्ननिर्मिति:**

निम्नलिखित गद्यांश पढ़कर ऐसे चार प्रश्न तैयार कीजिए जिनके उत्तर गद्यांश में एक-एक वाक्य में हों: [4]

हर्ता मूलर को २००९ में साहित्य का नोबेल पुरस्कार मिला। उनका जन्म रोमानिया में हुआ। बचपन में उन्हें गाय चराने भेज दिया जाता, जहाँ उनके पास कोई खास काम नहीं होता। वह जिन फूलों को इकट्ठा करती, उन्हें कोई न कोई नाम देती, आकाश में धीमे-धीमे उड़ते बादलों की आकृति को किसी व्यक्ति का नाम देती और खुश होती। उन दिनों वह सोच भी नहीं सकती थी कि एक दिन उसे साहित्य का नोबेल पुरस्कार मिलेगा। वह ज्यादा से ज्यादा अपनी चाची की तरह एक महिला दर्जी बनने के बारे में सोच सकती थी। उन दिनों वहाँ निकोलाई चाउसेस्की का तानाशाही शासन था और उसके परिवार पर कड़ी निगरानी रखी जाती थी। शासन का एक भय लोगों में बना रहता था।

(आ) [5]

(1) **वृत्तांत लेखन:**

प्रगति विद्यालय, वर्धा में मनाए गए 'बालिका दिवस' समारोह का 60 से 80 शब्दों में वृत्तांत लेखन कीजिए।

(वृत्तांत में स्थल, काल, घटना का उल्लेख होना अनिवार्य है।)

अथवा

कहानी लेखन:

निम्नलिखित मुद्दों के आधार पर 70 से 80 शब्दों में कहानी लिखकर उसे उचित शीर्षक दीजिए तथा सीख लिखिए:

एक गाँव - अस्वच्छता के कारण लोगों का बीमार होना - गाँव के युवा दल द्वारा कूड़ा-कचरा एकत्रित करना - नई योजना बनाना - खाद तैयार करके लोगों में बाँटना - गाँव का रूप बदलना - गाँव को पुरस्कार प्राप्त होना।

(2) **विज्ञापन लेखन:** [5]

निम्नलिखित जानकारी के आधार पर 50 से 60 शब्दों में विज्ञापन तैयार कीजिए:

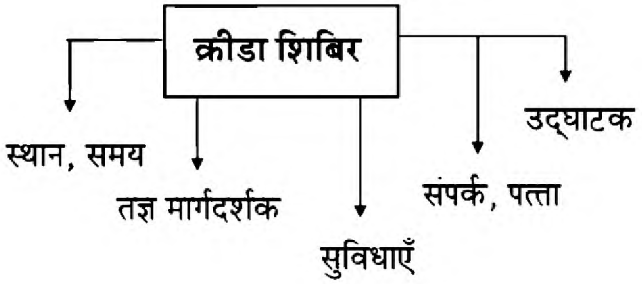

(इ) **निबंध लेखन:** [7]

निम्नलिखित विषयों में से किसी एक विषय पर 80 से 100 शब्दों में निबंध लिखिए:

(1) मैं पृथ्वी बोल रही हूँ.......

(2) काश! बचपन लौट आता.......

(3) अनुशासन का महत्त्व.......